

सामवेद — लंगीत का मूल स्त्रोत
 यजुर्वेद — इसमें यज्ञ करने की विधि है
 आर्षवेद — सामाजिक जीवन, रोग, मंचविश्राल

इसके अलावा, आरोग्य, उपनिषद् और पुराण हैं, जो भारतीय दर्शन और प्राचीन जीवन को समाधान में सहभागिता करता है।

⇒ बौद्ध साहित्य :—

बुद्ध के उपदेश और तत्कालीन समाज की जानकारी मिलती है।

① त्रिपिटक :— इस ग्रन्थ से हमें बौद्ध धर्म का आधार के बारे में पता चलता है।

② विनय पिटक :— यह बौद्ध धर्म के पवित्र ग्रन्थ त्रिपिटक का सबसे प्राचीन और छोटा हिस्सा है जिसमें बौद्ध भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए मठवासी अनुशासन, दैनिक आधार-मान्यता, संघ के विनय और विधि-विधानों का संग्रह है।
 इस ग्रन्थ की बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद उपासी द्वारा संकलित किया गया था।

③ सुत्त पिटक :— यह पाणी नामा में रचित बौद्ध धर्म का सबसे महत्वपूर्ण ग्रन्थ है, जो त्रिपिटक के तीनों भागों में से एक है। इसमें लगभग बुद्ध द्वारा विभिन्न समाजों पर दिए गए 10,000 से अधिक उपदेश, संवाद और वचनानुसार का संग्रह है।